विजयवर्गीय (वैश्य) राजसेवक परिषद्, जयपुर

"संगम", विजयवर्गीय सामुदायिक केंद्र एवं छात्रावास भवन,

Sector 26, Pani ki Tanki ke Pass, NRI Circle, Pratap Nagar, Jaipur, Rajasthan 303906

विजयवर्गीय करियर निर्देशन "प्रयास" कार्यक्रम

Sunday, July 8, 2018

–डॉ0 चान्दमल विजयवर्गीय
कार्यक्रम संयोजक
(9413961179)

वाणिज्य क्या है ? (what is the commerce)?

1. वाणिज्य के अर्न्तगत व्यापार (विनियम) एवं व्यापार सम्बन्धी समस्त आर्थिक क्रियाओं को सम्मिलित किया है।
2. वाणिज्य उत्पादक एवं उपभोक्ताओं के मध्य एक कडी का कार्य करती है
3. वाणिज्य जीविकोपार्जन का एक साधन है।
4. वाणिज्य के अन्तर्गत उत्पादक द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने सम्बन्धी समस्त आर्थिक क्रियाओं का संचालन किया जाता है।
5. वाणिज्य का क्षेत्र अत्यधिक व्यापक है। इसके अर्न्तगत निम्न आर्थिक क्रियाओ को सम्मिलित किया जाता है।
   (a) वस्तुओ एवं सेवाओं का विनिमय/क्रय विक्रय (b) बैंकिंग (c) बीमा (d) यातायात (e) संचार/संवहन (f) विपणन व विज्ञापन।
6. ई–बैंकिंग, मोबाइल फोन बैंकिंग, नेट बैंकिंग, ई–कार्मस, तथा डिजिटिल मार्केटिंग के कारण वाणिज्य का क्षेत्र अति व्यापक हो गया है और दिन प्रतिदिन बढता ही जा रहा है।
7. वाणिज्य का उद्देश्य अधिकतम लाभ कमाना होता है अतः समस्त वाणिज्यिक क्रियाये न्यूनतम लागत से अधिकतम प्रतिफल के सिद्वान्त के आधार पर संचालित की जाती है।
8. मुद्रा वह धुरी है जिसके चारो ओर सम्पूर्ण आर्थिक जगत चक्र लगाता है। फलस्वरूप वाणिज्यिक क्रियाओं ने समस्त विश्व को वैश्वीकरण के माध्यम से एक परिवार बना दिया है
9. व्यापार एवं वाणिज्यिक क्रियायें स्थानीय क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर फैली हुई है।
10. वाणिज्य रोजगार प्रदाता है। विभिन्न क्रियाओं के संचालन से लोगों को रोजगारा प्राप्त होता है
11. वाणिज्य समस्त आर्थिक क्रियाओं का आदि व अन्त है। यह कला एवं विज्ञान दोनों है।

वाणिज्य के क्षेत्र में रोजगार के अवसर
(Employment opportunities in commercial Sector)

वाणिज्य में रोजगार के अवसर निम्न क्षेत्र में उपलब्ध हैः–

(a) Accounts services. लेखा सेवा
(b) Economics and statistics अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी
(c) Planning and Development योजना एवं विकास
(d) Banking including E- Banking बैंकिंग ई–बैंकिंग सहित
(e) Finance and Financial institutions वित्त एवं वित्तीय संस्थाएं
(f) Insurance (बीमा) life insurance, General Insurance
(g) E- commerce (ई–कॉमर्स)
(h) Marketing (मार्केटिंग) including Advertising and Digital marketing
(i) Cooperative services (सहकारी सेवाएं)
(j) Trade (व्यापार) –Export- Import management,
(k) Capital Matket (पूंजी बाजार)–Stock Exchange, commodity Exchange, Bill Bazar
(l) Transportation (यातायात) -Railway, road, Air, Shipping
(m) Hotel Management (होटल प्रबंधन)
(n) Tourism development (पयर्टन विकास)
(o) Foreign Exchange management (विदेशी आयात प्रबन्धन)
(p) Education (शिक्षा):– Primary Educatior, Secondary and senior secondary, education, Higher education:- Universities, colleges, Research institutes etc.

Over Please

(q) Public Welfare services (समाज कल्याण सेवाएं)
(r) Industries services (उद्योग सेवाएं)
(s) Communication (संचार /सवंहन) :–Post and telegraph, BSNL, media, private etc.
(t) competitive services- UPSC, RPSC, SSC, subordinate services. (प्रतियोगी सेवाएं)
(u) Human Resource management (मानव संसाधन प्रबंधं)
(v) coporate sector (निगमित क्षेत्रं)
(w) income tax, commercial taxes –GST (आयकर, वाणिज्य कर)
(x) portfolio management (पोर्टफोलियो प्रंबन्धं)
(y) Porofessinal management (पेशेवर प्रबन्धं)
(z) General administration (सामान्य प्रशासनं)

What subject is to be selected? (क्या विषय चुना जाये ?)

करियर निर्माण के चयन किया जाने वाला विषयः–

1. लक्ष्य परक हो (terget oriented)	2. रोजगार परक हो (Employment oriented)
3. परिणाम जनक हो (result oriented)	4. विकास परक हो (Growth/Development oriented)

How to select the subject?(विषय का चयन कैसे करें?)

विषय का चयन निम्न बिन्दुओं को ध्यान में रखकर किया जावेंः–

1. स्वयं का परिणाम (प्राप्तांक/प्रतिशत)	2. स्वयं की अभिरूचि
3. अध्ययन की कार्यक्षमता का स्तर (उच्च/मध्यम/निम्न)	4. माता–पिता से राय परामर्श एवं उनका पूर्ण समर्थन।
5. विषय विशेषज्ञो से आवश्यक परामर्श प्राप्त कर।	6. शिक्षको की राय–परामर्श करके।
7. पूर्व छात्रों के साथ उनका अनुभव प्राप्त कर।	8. अन्य सहपाठियों से संवाद कर।
9. पारिवारिक आर्थिक स्थिति एवं परिवेश को ध्यान मे रखकर	10. नेट से आवश्यक सूचनाये जुटाकर (विषय/कॉलेज से सम्बन्धित)
11. अन्तिम निर्णय से सबकी राय जानने के बाद स्वयं लेवे।	

How to success? (सफलता कैसे प्राप्त करे?)

1. श्रेष्ठ योजना का निर्माण (Formulation of good plan)

   (अ) चयनित विषय का स्पष्टीकरण (Explanation of selected subject)
   (ब) समय प्रबन्धः अध्ययन के लिए समय का सही निर्धारण (Time determination for study) (प्रतिदिन अध्ययन के घण्टे)
      1. अध्ययन कालेज जाने के समय का निर्धारण
      2. परिवार के कार्य में दिया जाने वाला समय
      3. खेल मनोरंजन के लिए समय
      4. विश्राम हेतु समय का निर्धारण
   (स) कोष प्रबन्ध (Arrangement/ management of fund)

   (द) कोष का सही उपयोग (Proper utilization of fund)

2. योजना का सही कियान्वयन (Proper implementation/ Execution plan)
   –योजनानुसार प्रतिदिन कार्य का सम्पादन करना (work according to plain dairy)
   –अध्ययन का वातावरण तैयार करना (Develop the study culture)
   –अध्ययन के विभिन्न स्त्रोतो का सही समय पर उपयोग (use of work different sources of stdy material at right time)
3. योजना सम्बन्धी कार्यो में श्रेष्ठ समन्वय (Better coordination between works to performed as per plan)

4. योजना की देखरेख एवं नियन्त्रण (Monitoring and control of plan) अध्ययन द्वारा उद्देश्य की पूर्ति हो रही है या नहीं उसका विश्लेषण करना।
5. स्वः मूल्यांकन (Self evalaution) समय समय पर योजनानुसार किये गये अध्ययन का स्वयं के द्वारा मूल्यांकन करना।

मनोबल एवं उत्प्रेरण हेतु ध्यान में रखे जाने वाले बिन्दु (Points to be considered to motivate the morale.)

चयनित विषय के अध्ययन में अधिक सफलता के लिए निम्न बिन्दुओं को ध्यान में रखना अधिक उपयोगी एवं लाभप्रद रहेगाः–

1.	सकारात्मक सोच (Be positive)	निराशा का कोई स्थान नही
2.	श्रेष्ठ स्त्रोता (Good Listener)	धैर्य से सुनने की क्षमता
3.	सहभागिता (Pariticipation)	कार्य में भाग लेने की तत्परता
4.	सक्रियता (Creative)	आगे बढने के लिए सदैव तत्पर रहकर अपनी योग्यता का श्रेष्ठ प्रदर्शन करना
5.	निर्णय लेने की क्षमता (Decision maker)	सबकी राय से सही निर्णय लेने की क्षमता।
6.	आत्मबल (Self confidence)	अपने आप पर पूर्ण विश्वास करना
7.	नेतृत्व क्षमता/गुण(Quality of Leadership)	योग्यता के आधार पर टीम तैयार कर कार्य में नेतृत्व करने की क्षमता का विकास
8.	व्यक्तित्व विकास (Personality development)	व्यक्तिगत गुणों का विकास
9.	साहसी क्षमता (Enterpreneurship)	नये कार्य को हाथ में लेकर जोखिम उठाने की क्षमता
10.	सहकारिता का भावना (Team Sprit/ Corporative)	दूसरों के साथ मिलकर काम करने की भावना **"एक सब के लिए और सब एक के लिये"**
11.	चुनौति स्वीकार कर उससे लडने की क्षमता (capacity to accept challenges and fight to them)	विपरित स्थितियों से लड़कर अपने अनुकूल बनाने की क्षमता का विकास
12.	उत्पादकता का गुण (Quality of productivity)	नियोजक आपके कार्य में प्रभावी होकर आपको अमूल्य सम्पदा मानने को विवश हो
13.	प्रबन्धकीय गुण(quality of management)	उपलब्ध संसाधनों को बेहतर उपभोग करने की क्षमता।
14.	प्रभावी सम्प्रेक्षण (effective communication)	अपने विचारो को प्रबन्ध के विभिन्न स्तरों पर प्रभावी तरीके से रखने की क्षमता
15.	भाषा पर नियन्त्रण(comands on Language)	सही समय पर सही भाषा व नपे तुले शब्दों में अपनी बात रखने का गुणं
16.	सम्पूर्णता(Perfection)	सभी क्षेत्रों/विषयों की सामान्य जानकारी की आवश्यकता
17.	समन्वयक (coordinative)	सभी क्षेत्रों के विभागों एवं कर्मचारियों में समन्वय स्थापित कर कार्य करने का वातावरण तैयार करना
18.	अच्छा योजनाकार (Good Planner)	योजना को प्रभावी रूप से बनाकर प्रस्तुत करना
19.	समय–प्रबन्धक (Time-manager)	निश्चित समय सीमा तय करना
20.	अच्छा समन्वयक एवं नियंत्रक (good co-ordinator and controller)	सभी पर प्रभावी नियंत्रण करते हुये उनमें समन्वय स्थापित कराना ।
21.	इच्छा शक्ति (will power)	

मुश्किल नही है कुछ भी दुनिया में,
तू जरा हिम्मत तो कर।
ख्वाब बदलेंगे हकीकत में,
तू जरा कोशिश तो कर।
आंधियॉ सदा चलती नही।
मुश्किलें सदा रहेगी नही।
मिलेगी तुझे मजिंल तेरी,
बस जरा कोशिश तो कर।

राह संघर्ष की जो चलता है,
वो ही संसार को बदलता है।
जिसने रातों से जंग जीती है,
सूर्य बनकर वही निकलता है।

- "Life is 3" = Ex +Ex + Ex (Past +Present+ Future)
- Past is the mother of present and present is the father of future and future is the result of our expections.

Yerterday (past) was our 'Experience'
(Persent) Today is our 'experiment.'
Tommorow (Future) is our' expections.'

Thus use your past experience in your present experiment to achieve your future exceptions.

अर्थात जीवन भूत, वर्तमान, व भविष्य की उपज है।
भूत हमारी मॉ है। वर्तमान हमारा पिता है तथा भविष्य हमारी अपेक्षाओं का परिणाम है।,
अर्थात भूत (गुजरा हुआ काल) हमारा अनुभव है।
वर्तमान (आज) हमारा परीक्षण है और
भविष्य (कल) हमारी अपेक्षाओं का परिणाम है।
अतः भूत के अनुभव से सीखकर वर्तमान में उसका परीक्षण करे ताकि भविष्य मे हमारी अपेक्षाओं में सार्थक हो सके।

क्यों डरें जिन्दगी मे क्या होगा?
हर वक्त क्यों सोचे की आगे (बुरा) क्या होगा,
बढते रहें मंजिलों की ओर हम
कुछ भी न मिला तो क्या
तजुर्बा तो नया होगा।